IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, October 2024

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के वंचन का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

अजीत प्रताप सिंह[1] and डॉ. नवनीत कुमार सिंह[2]
शोधार्थी, विभाग शिक्षा[1]
शोध निर्देशक, विभाग शिक्षा[2]
सनराइज यूनिवर्सिटी, अलवर, राजस्थान

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का शीर्षक ''माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के वंचन का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन'' है। जिसके उद्देश्य में विद्यार्थियों के अन्तर्गत छात्र एवं छात्राओं दोनों के वंचन का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव देखा गया है। परिकल्पनाओं के अन्तर्गत शून्य परिकल्पना का परीक्षण किया गया है। शोध विधि के अन्तर्गत वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श के रूप में प्रयागराज जनपद के 10 माध्यमिक विद्यालयों का स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से चयन कर उसमें अध्ययनरत् 400 विद्यार्थियों जिसमें (200 छात्र एवं 200 छात्राओं) का चयन साधारण यादृच्छिक विधि से किया गया। अध्ययन में वंचन के मापन हेतु प्रो0 एस0के0 पाल, प्रो0 के0एस0 मिश्र एवं प्रो0 कल्पलता पाण्डेय द्वारा निर्मित डी0स्केल एवं विद्यार्थियों के कक्षा 10 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांक को शैक्षिक उपलब्धि के रूप में सम्मिलित किया गया है। अतः निष्कर्षतः पाया गया वंचन का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वंचन की दृष्टि से विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियाँ अग्रसर हुई है लेकिन सरकारी नीतियों से ही नहीं समाज, परिवार, विद्यालय आदि की जिम्मेदारियाँ होती है कि वंचन का सही दृष्टि से ज्ञान होना चाहिए जिससे विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकें एवं विद्यार्थियों को वंचन की दृष्टि से उनके शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक बुद्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हुए उनके शैक्षिक उपलब्धि का बढ़ाया जा सके।

प्रमुख शब्द - माध्यमिक स्तर, विद्यार्थी, वंचन, शैक्षिक उपलब्धि

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/568